>

Title : Regarding 'Pradhan Mantri Gramin Sadak Yojana' in Bihar.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा): सभापति महोदय, पीएमजीएसवाई केन्द्र सरकार की बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उपयोग ग्रामीण विकास में एक मील के पत्थर के समान है। गांव का सारा विकास सड़क से ही संभव है। इसके नहीं रहने से गांव का विकास अवरूद्ध होता है। गांव के बेरोजगार युवा गुमराह होकर नक्सल की शरण में जा रहे हैं, जिसका असर बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश इत्यादि राज्यों में है। केन्द्र सरकार जान-बूझकर बिहार के साथ पीएमजीएसवाई के मामले में सौतलापन कर रही है। राज्य के लिए स्वीकृत योजनाओं का फण्ड न तो जा रहा है और न ही योजनाओं की स्वीकृति हो रही है। भारत की 76 प्रतिशत आबादी गांवों में निवास करती है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है, यदि गांवों का विकास नहीं होगा तो देश का विकास नहीं हो सकता है। अतः मैं इस सम्मानीय सदन के माध्यम भारत सरकार से यह मांग करता हूं कि बिहार राज्य की सभी पीएमजीएसवाई की स्वीकृत योजनाओं में फण्ड दिया जाए और नई योजनाओं की स्वीकृति भी दी जाए।